This question paper contains 7 printed pages]

Your Roll No...............

2079

LL.B./III Term **D**

Paper LB-3031 : BUSINESS ASSOCIATION—I

Time : 3 Hours *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. (*a*) "Sharing of profits is only a prima facie evidence of existence of Partnership while conclusive test is that of mutual agency." Comment.

(*b*) A advanced Rs. 20,000 to firm of X and Y. Both X and Y agreed to carry on a business subject to control of A in any respects including the payment of commission of 15% out of profit. State with reasons whether 'A' is a partner in the firm.

(अ) "लाभों में हिस्सेदारी भागीदारी के अस्तित्व का प्रथम-दृष्टया साक्ष्य है जबकि निर्णायक परीक्षण तो पारस्परिक अभिकरण का ही है।" टिप्पणी कीजिए।

(ब) A ने X और Y की फर्म को 20,000 रुपये का अग्रिम धन दिया। X और Y दोनों A के नियंत्रण में सभी तरह से कारोबार चलाने के लिए सहमत हो गए जिसमें लाभ में से 15% कमीशन का संदाय शामिल है। सकारण उल्लेख कीजिए कि क्या 'A' फर्म में भागीदार है।

2. "If a partner carries on any business of the same nature as and competing with that of the firm, he shall account for and pay to the firm all profits made in competing business." Discuss the proposition by referring to relevant case law.

"यदि कोई भागीदार फर्म के कारबार के समरूप कारबार करता है तथा फर्म से प्रतिस्पर्धा करता है तो वह फर्म को इसका हिसाब देगा और प्रतिस्पर्धी कारबार से हुए सभी लाभों का संदाय करेगा।" सुसंगत निर्णयविधि को निर्दिष्ट करते हुए उक्त प्रतिपादना का विवेचन कीजिए।

3. (*a*) Generally a person who is not a partner in the partnership firm cannot be made liable for an act of the firm. Discuss with case law where liability of a non-partner can arise as a partner.

(*b*) 'D', who is not actually partner in the firm consisting of A, B and C, represents to X that he is also a partner in that firm on the faith of that representation 'X' gives credit to the firm. Whether 'D' can be made liable under the doctrine of 'Holding out' ?

(अ) सामान्यत: उस व्यक्ति को फर्म के कृत्य के लिए दायित्वाधीन नहीं ठहराया जा सकता है जो किसी भागीदारी फर्म में भागीदार नहीं है, उस निर्णयविधि के साथ इसका विवेचन कीजिए जिसमें किसी अभागीदार का दायित्व भागीदार के रूप में उद्भूत हो सकता है।

(ब) 'D' जोकि A, B तथा C द्वारा गठित फर्म में वस्तुत: भागीदार नहीं है, 'X' को व्यपदेशन करता है कि वह भी उस फर्म में भागीदार है। उस व्यपदेशन के भरोसे पर 'X' फर्म को उधार दे देता है। क्या व्यपदेशन (Holding out) के सिद्धान्त के अन्तर्गत 'D' को दायित्वाधीन ठहराया जा सकता है?

4. (*a*) Discuss the grounds on which a court can order for dissolution of partnership firm.

(*b*) A partnership firm is running at continuous loss in spite of repeated efforts. The firm is not registered. Whether the suit by partner, for dissolution of firm, is maintainable ?

(अ) उस आधार का विवेचन कीजिए जिस पर न्यायालय भागीदारी फर्म के विघटन हेतु आदेश दे सकता है।

(ब) एक भागीदारी फर्म बार-बार के प्रयासों के बावजूद हानि उठा रही है। फर्म रजिस्ट्रीकृत नहीं है। क्या भागीदार द्वारा फर्म विघटन के लिए वाद अनुरक्षणीय है ?

5. (*a*) Examine whether it is necessary to register partnership firm ? What are consequences of non-registration

(*b*) X, Y and Z constituted an unregistered firm. Y files a suit against X and Z praying the court that they be ordered to get the firm registered. Whether Y will succeed ? Decide.

(अ) जाँच कीजिए कि क्या भागीदारी फर्म का रजिस्ट्रीकरण कराना जरूरी है ? रजिस्ट्रीकरण न होने के क्या परिणाम होते हैं ?

(ब) X, Y और Z ने एक अरजिस्ट्रीकृत फर्म गठित की। Y ने न्यायालय से यह अनुरोध करते हुए X तथा Z के विरुद्ध वाद फाइल कर दिया कि उन्हें फर्म का रजिस्ट्रीकरण कराने का आदेश दिया जाए। क्या Y सफल हो जाएगा ? विनिश्चय कीजिए।

6. What are needs of passing Limited Liability Partnership Act 2008 when Partnership Act, 1932 is already there.

परिसीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम, 2008 पारित करने की क्या आवश्यकता है जबकि भागीदारी अधिनियम, 1932 पहले से ही मौजूद है।

7. Who can become agent ? What are his rights and duties ? How can agency be terminated ?

अभिकर्ता कौन बन सकता है ? उसके क्या अधिकार तथा कर्त्तव्य होते हैं ? अभिकरण किस प्रकार समाप्त की जा सकती है ?

8. Write notes on any *two* of the following :

(*a*) Distinguish between Partnership firm and Hindu Joint Family

(*b*) Position of minor u/s 30 of Partnership Act

(*c*) Retirement of a partner

(*d*) Partnership property.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) भागीदारी फर्म और हिंदू संयुक्त कुटुम्ब के बीच भेद स्पष्ट कीजिए

(ब) भागीदारी अधिनियम की धारा 30 के अधीन अवयस्क की स्थिति

(स) भागीदार की निवृत्ति

(द) भागीदारी सम्पत्ति।